काला काला कहवे र गुजरी,
मत काले का जिक्र करै,
काले रंग पे मोरनी रुदन करै,
काला काला कहवे र गुजरी।।

मोटे मोटे नैन राधा के,
जिसमें सुरमा खुब सजै,
काले रंग पे मोरनी रुदन करै,
काला काला कहवे र गुजरी।।

लाम्बे लाम्बे केश राधा के,
जिसमें मांग सिंदूर भरै,
काले रंग पे मोरनी रुदन करै,
काला काला कहवे र गुजरी।।

लाम्बे लाम्बे पंख मोर के,
जिसके सिर पर मुकुट सजै,
काले रंग पे मोरनी रुदन करै,
काला काला कहवे र गुजरी।।

हरे हरे बासां की हरी मुरलिया,
जिसका खोया जगत फिरै,
काले रंग पे मोरनी रुदन करै,

काला काला कहवे र गुजरी।।

काला काला मेरा सावंरिया,
जिसकी सुरत या मन में बसे,
काले रंग पे मोरनी रुदन करै,
काला काला कहवे र गुजरी।।

काला काला कहवे र गुजरी,
मत काले का जिक्र करै,
काले रंग पे मोरनी रुदन करै,
काला काला कहवे र गुजरी।।

गायक नरेंद्र कौशिक।
प्रेषक राकेश कुमार खरक जाटान
9992976579

इसी तरह के हजारों भजनों को,
सीधे अपने मोबाइल में देखने के लिए,
भजन डायरी एप्प डाउनलोड करे।

भजन डायरी एप्प

Source: https://www.bharattemples.com/kala-kala-kahe-gujri/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw